पानी बचाओ, धरती बचाओ

खेती एडवाइज़र

Kheti Advisor

मासिक कृषि पत्रिका

अक्तूबर 2014 वर्ष - 01 अंक -02 मूल्य 20₹ www.advisorpublications.co.in

LIVING INDIA NEWS
सच्चाई की ताकत
सभी प्रमुख केबल नेटवर्क पर उपलब्ध
फास्टवे सैटअप बॉक्स पर चैनल नंबर-177
पंजाब में विज्ञापन के लिए संपर्क करें-9780002224

घरेलू गृहिणीयों के लिए मिसाल

गुरदीप कौर अलौहरां कलां

‘काँताबाई डैम
जलगांव

पदम श्री बाबू लाल हीरा लाल जैन

जैन ईरीगेशन द्वारा बनाये बांध ने ला दी क्षेत्र में कृषि क्रांति

झरमल सिंह

विश्व में जल का सही उपयोग करने के लिए प्रयासरत भारत की प्रसिद्ध जैन ईरीगेशन सिस्टम्ज लिमि. जलगांव द्वारा जलगांव तहसील के क्षेत्र नागझिरी में अपनी ओर से एक बांध बनाकर देश के लोगों को समर्पित किया, जोकि विश्व में एक उदाहरण है। जैन ईरीगेशन कम्पनी के संस्थापक पदमश्री भंवर लाल हीरा लाल जैन ने अपनी दूरदृष्टि से जहां उद्योग के क्षेत्र में देश-विदेश में नाम कमाया है, वहां सामाजिक कार्यों में भी अपना योगदान समय-समय पर डालते रहते हैं।

इस बार जलगांव के प्रवास दौरान जैन ईरीगेशन कम्पनी द्वारा बनाया गया बांध देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। देखकर मन बहुत खुश हुआ तथा ऐसा लगा कि विश्व में पैसा तो बहुत लोगों के पास है, परन्तु दिल बहुत कम के पास होता है, जो स्वयं को भूलकर समाज के लिए भी कुछ करने की सोचते हैं। ऐसी ही दूरदृष्टि वाली शख्सियत बड़े बाबू जी श्री भंवर लाल हीरा लाल जैन को सलाम।

विगत में जलगांव तथा महाराष्ट्र के कई राज्यों में सूखे की स्थिति रही, लोग, पशु, पक्षी तथा वनस्पति पानी के लिए तरसती रही। इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए बड़े बाबू जी ने जलगांव तहसील में बांध बनाने का निर्णय लिया। उनके द्वारा तैयार कार्यों का विवरण लिखकर नहीं दिया जा सकता अपितु देखकर लुत्फ उठाया जा सकता है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस बांध के अस्तित्व में आने से क्षेत्र की 3-4 हज़ार एकड़ भूमि पानी मिलने से कृषि योग्य हो गई है। सूखे कुओं तथा बोरों में पानी आ गया है। बड़े बाबू जी द्वारा डैम पर कार्य करने का निर्णय लिया गया तो अपने साथियों की सहायता से बांध पर दिन-रात काम चला। बहुत बड़ी चुनौती को उन्होंने आत्मविश्वास के साथ सिरे चढ़ाया। उन्होंने बहुत ही कम समय में 9 माह 19 दिन में इस बड़े काम को पूर्ण किया तथा बांध का नाम 'काताबाई डैम' रखा।

बांध पर जे.एम. के कृषि फार्म के मैनेजर श्री तरुम झा तथा लेखक।

जैन ईरीगेशन कम्पनी द्वारा तापीय विकास महामंडल जलगांव के साथ एक समझौते के अन्तर्गत बांध बनाया गया जिसके अन्तर्गत 50 प्रतिशत पानी कम्पनी के लिए आरक्षित रहेगा। जिस बांध के बनने से पंच क्रोशी से किसानों को बहुत लाभ हुआ है। किसान पाइपों के माध्यम से पानी अपने खेतों में ले जा सकेंगे। इसके साथ ही किसानों में खुशी की लहर है।

बांध संबंधी जानकारी

नागझिरी क्षेत्र में वादुर नदी पर बने इस बांध में पानी की क्षमता 979.98 करोड़ लिटर तथा सिंचाई योग्य क्षेत्र 993.69 वर्ग किलोमीटर है। इस बांध की लम्बाई गिरना नदी के तल के अनुसार 246 मीटर है तथा अधिक से अधिक ऊंचाई 8.92 मीटर है। इस बांध की पूरी भरने की क्षमता बैक वाटर लगभग 5.60 मीटर है। बांध की दीवारों की ऊंचाई 4.5 मीटर है तथा 89 दरवाजे हैं। बांध पर कुल खर्च 7 करोड़ 85 लाख 89 हज़ार रुपए की लागत आई है। कम्पनी के साथियों की मेहनत अलग है। यह बांध स्वयं में एक मिसाल है, जोकि देखने योग्य है।